।।दीनानाथ मेरी बात।।

दीनानाथ मेरी बात छानी कोनी तेरे से,
आँखड़ली चुराकर बाबा जासी कठे मेरे से।
खाटूवाले श्याम तेरी शरण में आ गयो,
श्याम प्रभु रुप तेरो नैना में समा गयो,
बिसरावै मति बाबा हार मानी तेरे से,
आँखड़ली चुराकर बाबा...

बालक हूँ मैं तेरो श्याम मुझको निभाय ले,
दुखड़े को मारो मनै कालजे लगाय ले,
पथ दिखलादे बाबा काढ़ ले अँधेरे से,
आँखड़ली चुराकर बाबा...

मुरली अधर पे कदम तले झूमे है,
भगत खड्या तेरे चरणां न चूमे है,
खाली हाथ बोल कैंया जाऊँ तेरे डेरे से,
आँखड़ली चुराकर बाबा...

तू ही मेरा हमदम बाबा तू ही मेरा यार है,
खाटू वाले श्याम बाबा तू ही मेरा प्यार है,
इतनों तो बतलादे दूर जाउ कैयां मैं तेरे से,
आँखड़ली चुराकर बाबा...

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com